SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट
Annual Report
2000-2001

Report Junction.com

बैंक ऑफ़ इंडिया
पथ प्रदर्शक सितारा

Bank of India
The Guiding Star

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची

अध्यक्षीय वक्तव्य	
सूचना	
निदेशकों की रिपोर्ट	
तुलन-पत्र	
लाभ व हानि लेखा	
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	
लेखों पर टिप्पणियां	
भारत के राष्ट्रपति को प्रस्तुत लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट	
नकदी प्रवाह विवरण	
सहायक बैंकों के सनदी लेखाकार की रिपोर्ट/तुलन-पत्र/ लाभ व हानि लेखा	
परोक्षी फार्म	
उपस्थिति पर्ची	

CONTENTS

Chairman's Statement	3
Notice	6
Directors' Report	8
Balance Sheet	31
Profit & Loss Account	32
Significant Accounting Policies	41
Notes on Accounts	44
Auditors' Report to The President of India	48
Cash Flow Statement	50
Auditor's Report/Balance-sheet/Profit & Loss Account of Bank's subsidiaries.	53
Proxy Form	117
Attendance Slip	119

निदेशक बोर्ड
Board of Directors

श्री के. वि. कृष्णमूर्ति
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Shri K. V. Krishnamurthy
Chairman & Managing Director
श्री ओ.एन. सिंह
कार्यपालक निदेशक
Shri O.N.Singh
Executive Director
श्री शेखर अग्रवाल
Shri Shekhar Agarwal
श्री ए. बी. तेलंग
Shri A. B. Telang
श्री एस. आर. सेनगुप्ता
Shri S. R. Sen Gupta
श्री सुनील कांत मुंजाल
Shri Sunil Kant Munjal
श्री संथानम विजी
Shri Santhanam Viji
डॉ. वी. वी देसाई
Dr. V. V. Desai
डॉ. बी. सी. जैन
Dr. B. C. Jain
श्री एस. आर. हालबे
Shri S. R. Halbe
श्री पहलाज एन. निहलानी
Shri Pahlaj N. Nihalani

बैंक ऑफ इंडिया
Bank of India
(भारत सरकार का उपक्रम)
(A Government of India Undertaking)

प्रधान कार्यालय
14 वां तल, एक्सप्रेस टावर्स,
नरीमन पाइंट, मुंबई - 400 021.

Head Office :
14th Floor, Express Towers,
Nariman Point,
Mumbai - 400 021.

सांविधिक लेखा परीक्षक
Statutory Auditors

लक्ष्मीनिवास एण्ड जैन
Lakshminiwas & Jain

छाजेड एण्ड दोशी
Chhajed & Doshi

एम थॉमस एण्ड कम्पनी
M. Thomas & Co.

एन. एम. रायजी एण्ड कम्पनी
N.M. Raiji & Co.

प्रकाशचन्द्र जैन एण्ड कम्पनी
Prakashchandra Jain & Co.

एस. के. कपूर एण्ड कम्पनी
S.K. Kapoor & Co.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष का वक्तव्य,

प्रिय शेयरधारकों,

दिनांक 31.3.2001 को समाप्त वर्ष हेतु वित्तीय परिणाम एवं निदेशकों की रिपोर्ट आपको प्रस्तुत है। सभी मुश्किलों का सामना करते हुए वर्ष 2000-2001 के दौरान बैंक ने उत्कृष्ट निष्पादन किया है। परिचालन लाभ में 61.37% व शुद्ध लाभ में 236.79% की वृद्धि हुई है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के रु. 330.13 करोड़ के असाधारण व्यय को समाहित करने के बाद परिचालन व शुद्ध लाभ में वृद्धि दर क्रमशः 13.04% व 45.75% बैठती है। चहुँमुखी औद्योगिक मंदी तथा जमावृद्धि की धीमी गति की पृष्ठभूमि में यह वृद्धि हासिल करना हम सब के लिए परम संतोष की बात है. भुगतान आदेश संकट के कारण संभावित हानि हेतु यदि हमने पूर्ण विवेकपूर्ण प्रावधान करने का निर्णय न लिया होता तो लाभ रु. 134.46 करोड़ और अधिक होता.

जो परिणाम हमने देखे है वे संकट की स्थिति का सामना करने की बैंक की अंतर्निहित शक्ति का प्रमाण है। हमारी खुद की क्षमताओं पर भरोसा न होने के कारण पिछले कुछ वर्षो में प्रगति कम रही। इस कमजोरी से उबर कर हम अब आगे बढ़ने को तत्पर हैं। अभूतपूर्व परिणाम प्राप्त करने हेतु अपने परिचालनों को हमने एक सीमा तक लचीला बनाया है, सेवा स्तरों में सुधार किया है, अनुत्पादक आस्तियों में कमी की है एवं हर क्षेत्र में लागतों को घटाया है। व्यापक पहुंच, लंबे समय से हमारे द्वारा निर्मित ख्याति एवं हमारे ग्राहकों की निष्ठा की हमारी क्षमताओं के बूते पर उद्योग में अधिकारपूर्ण स्थान बनाने के लिए अब हम अधिक कृत संकल्प हैं। हाल के निष्पादन ने आने वाले दिनों में हमें और अच्छा निष्पादन करने को उत्साहित किया है।

बैंक का कार्यभार संभालने के समय मैने अपने स्टाफ को कहा था कि हम खर्च किए गए प्रत्येक रुपए जो वेतन, खर्चो, लागतों में किसी पर भी हों, की पूरी कीमत वसूलेंगे। उन्होने इसका शानदार जवाब दिया है और बैंक ने राइट ऑफ डाले रु. 122 करोड़ सहित रु. 1113 करोड़ की अनुत्पादक आस्तियां वसूल की हैं। सतत निगरानी एवं गुणवत्तायुक्त ऋण देने पर ध्यान केंद्रित करने के उपायों से ऋण गुणवत्ता में गिरावट को रोका गया है। हम भारतीय रिजर्व बैंक की एक बारगी निपटान नीति अंतर्गत बैंक उद्योग में सर्वोत्तम निष्पादन करने वालों में हैं।

सरकार द्वारा अनुमोदित स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना देश में बैंकिंग उद्योग के इतिहास में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। प्रतियोगिता का इसकी शर्तों पर सामना करने हेतु इसमें हमें लागत ढांचे के पुनर्गठन व बंधे खर्चो में कमी करने का अत्यावश्यक अवसर मिला। 7768 से अधिक कर्मचारियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति चुनी एवं रु. 855 करोड़ का भुगतान करने के बावजूद हम संसाधनों व जनशक्ति के अन्तर को पूरा कर सके हैं। हमारे स्टाफ की औसत आयु अब लगभग 5 वर्ष कम है लेकिन मेरा यकीन करें, इसका असर कई गुना है। अब हम चुस्त, दुरूस्त एवं अपना कौशल दिखाने को उद्यत है। अपनी मानव संसाधन नीतियों में परंपरा से हट कर परिवर्तन लाने हेतु अब हमारे पास अधिक स्वतंत्रता है। अब हम स्टाफ के लिए निष्पादन आधारित प्रोत्साहन शुरू करने जा रहे हैं जिससे वे हमारे परिवार का सदस्य होने में गौरव महसूस करेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि सही वातावरण मिलने पर एवं सहभागिता की भावना के साथ वे निजी क्षेत्र में अपने समकक्षों को पीछे छोड़ देंगे और बैंक के यश में वृद्धि करेंगे।

CHAIRMAN'S STATEMENT

Dear Shareholders,

The financial results for the year ended 31.3.2001 and the report of the Directors have been placed before you. The Bank has come out with a sterling performance during 2000-2001 braving all odds. The operating profits have gone up by 61.37%, net profits by 236.79%. After absorbing extra ordinary VRS expenses of Rs.330.13 crore, the growth rates in operating and net profits work out to 13.04 % and 45.75 % respectively. It is a matter of great satisfaction to all of us to have achieved this growth in the backdrop of an Industrial slowdown and slackening pace of deposit growth all around. The profits would have been higher by Rs.134.46 crore but for our decision to make prudential provisions in full for the probable loss, due to the pay order crisis.

The performance that we have seen is testimony to the inherent strength of this Bank to bounce back when faced with a crisis. The past few years were periods of lean growth due to the crisis of confidence in our own abilities. We have overcome this weakness and are now set to march ahead. We have brought in a degree of flexibility in our operations, improved service levels, brought down unproductive assets and reduced costs all round, to achieve the never before results. We are now more determined to hold to our rightful place in the Industry, leveraging on our strengths of wide reach, the goodwill built by us over long period of time and the loyalty of our customers. The recent performance has enthused us to better in the coming days.

When I took charge of the Bank, I had told my staff, that we will recover full value for every rupee spent, be it by way of wages, expenses or costs. They have responded magnificently and the Bank has recovered Rs.1113 crore of non performing assets including Rs.122 crore in written off accounts. Level of slippages has been brought down significantly through constant monitoring and concentrating on quality lending. The performance of the Bank under the RBI one time settlement policy has been amongst the best in the Industry.

The Voluntary Retirement Scheme approved by the Govt. was a turning point in the history of Banking Industry in the Country. It provided us with the much-needed flexibility to re-align the cost structure and reduce overheads, to face competition on its own terms. Over 7768 employees opted for VRS and despite having to make a pay out of Rs.855 crore, we have managed to fill the gaps in resources and men, well. The average age of our staff, is now lower by around five years, but believe me, the effect is manifold. We are now leaner, fitter and raring to go. We now have greater flexibility to bring about path breaking changes in our HR policies. We are on the way to introduce performance-based incentives to staff which will make them proud to be part of our family. I am convinced that provided the right kind of environment and a sense of partnership, they will outperform their counter parts in private sector and bring glory to the Bank.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

यद्यपि हमें अपने नतीजों पर खुश होने का हक है हम अपनी पुरानी कीर्ति की छाया तले बहुत समय तक नहीं रह सकते। आज स्वदेशी कारोबार से उत्पन्न आय, प्रगति की हमारी जरूरतों को संतुष्ट करने हेतु पर्याप्त नहीं है। अत्यधिक तरलता एवं खासकर निर्माण उद्योग में औद्योगिक मंदी मिलकर ब्याज दरों में तेजी से गिरावट ला रहे हैं। हमारी देयताओं को घटती आय के साथ समायोजित करने हेतु समय काफी नहीं होता। बुनियादी सुविधाओं में तेज प्रगति बाधाओं के दलदल में फंसी मरीचिका साबित हो रही है। भारतीय रिजर्व बैंक की एकबारगी निपटान योजना के प्रति आशा से कम उत्साह दर्शाता है कि अनुत्पादक आस्तियों में कमी करने हेतु हमें लंबे समय तक और कर्मठता से जूझना होगा। प्राय: बहुत नीची कीमतों पर आयातों की बाढ का सामना करने हेतु स्वदेशी उद्योग को अपनी लागतें और प्रतियोगी बनानी होंगी। उनके सामने आने वाली मुश्किलें सभी बैंकों पर असर डालेंगी। इस स्थिति का सामना करने हेतु हमने कार्यवाही पहले ही शुरू कर दी है।

मानव संसाधनों में निवेश के साथ हम बैंक के प्रौद्योगिकी आधार को उन्नत करने हेतु भी निवेश करेंगे। अगले दो वर्षों में हम करीब 200 एटीएम लगाने जा रहे हैं। एटीएम को शाखा खातों से और देश भर में अन्य शाखाओं से संबद्ध किया जाएगा। हमारे एटीएम में "ए" तब वास्तव में एनीटाइम एनीव्येयर को व्यक्त करेगा। हम 9 शहरों में 275 शाखाओं की नेटवर्किंग भी करने जा रहे हैं। इंटरनेट एवं मोबाइल बैंकिंग अब बिल्कुल हमारी पहुंच के भीतर हैं।

हम आंतरिक प्रशासनिक ढांचे के व्यापक पुनर्गठन में भी लगे है जो न केवल लागतों को कम करेगा बल्कि कुशलता में भी सुधार लाएगा। इसके बाद हमारा ध्यान प्रौद्योगिकी एवं ग्राहकों की विशिष्ट जरुरतों के अनुसार नवीन उत्पाद उपलब्ध कराने पर होगा। आप हमारा संदेश सभी तक पहुंचा सकते हैं कि भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए बैंक पूरी तरह से तैयार है।

कार्पोरेट गवर्नेंस आज बहुचर्चित है, लेकिन इसमें हमारी आस्था सदा से रही है। नैतिक मूल्यों तथा संव्यवहारों में पारदर्शिता में बैंक का दृढ विश्वास है। मुझे खुशी है कि विकास हेतु संसाधनों के संरक्षण की आवश्यकताओं के बावजूद बोर्ड ने 15% के लाभांश का भुगतान अनुमोदित किया है।

मार्च में जब हम वास्तव में एक अभूतपूर्व कार्यनिष्पादन वर्ष पूरा करने वाले थे सहकारी बैंकों द्वारा जारी भुगतान आदेशों से उत्पन्न भुगतान आदेश संकट से हमें बड़ा धक्का लगा। प्रबंधन में हम सोच-सोचकर परेशान रहे हैं कि ऐसी घटनाएं न होने देने के लिए क्या हम कुछ कर सकते थे ? शायद हम ऐसा कारोबार के आम जोखिमों को उठाने से मना कर के कर पाते। लेकिन अब हम ज्यादा समझदार हैं और हमने उपयुक्त जोखिम प्रबंधन कदम उठाए हैं। विवेक को अपनाते हुए हमने संभावित हानि को इस वर्ष समाहित कर लिया है। तथापि इन बकायों की वसूली के लिए हम प्रतिबद्ध हैं। हमारे ग्राहकों, शेयरधारकों, प्रेस, उद्योग में हमारे शुभचिंतकों एवं सरकार की प्रतिक्रिया वास्तव में बहुत अच्छी रही है. मुश्किल की इन घड़ियों में उनके द्वारा दिए गए योगदान और सहयोग के प्रति मैं अपना आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने हममें अपना विश्वास अक्षुण्ण बनाए रखा है और हमारे लिए मजबूत सहारा बने हैं।

बैंक की अब एक नयी कार्पोरेट पहचान है। आधुनिकीकरण की ओर अपनी उन्मुखता को दर्शाने हेतु हमने अपने रंगों में बदलाव लाया है। बैंक ऑफ इंडिया अब अलग-अलग स्थानों में भिन्न लोगों के लिए विशिष्ट बैंक बनने जा रहा है।

While we have a right to be pleased about our results, we cannot afford to bask in past glory for long. The domestic business is not generating adequate revenues to fuel our needs of growth. Excessive liquidity coupled with industrial slowdown, particularly in manufacturing industries, is bringing down interest rates sharply. There is not enough time to adjust our liabilities to declining yield curves. The promise of rapid growth in infrastructure is proving to be a mirage, mired in bottlenecks. The less than anticipated response to the RBI one time settlement scheme indicates that the battle to reduce NPAs will be long and arduous. The domestic industry has to be more cost competitive to withstand the deluge of imports, often at rock bottom rates. Any shocks that they face are going to affect all Banks. We have already started taking steps to respond to this situation.

Apart from investment in human resources, we will be investing heavily in upgrading the technological base of the Bank. We will be installing around 200 ATMs in the next two years. ATMs will be linked with the branch accounts and with other branches, throughout the Country. The 'A' in our ATM will then truly stand for any time, anywhere. We are also on the way to network 275 branches across 9 cities. Internet and Mobile banking are well within our reach.

We are also in the midst of a major restructuring of internal administrative set up which will not only reduce costs but also improve efficiency. The focus hereafter will be to provide new products based on technology and customer specific requirements. You can convey our message to all, that the Bank is well equipped to meet the challenges of tomorrow.

Corporate Governance, may be the new buzzword today, but it has always been an article of faith with us. The Bank has strong belief in ethical values and transparency in dealings. We believe in sharing our prosperity with the stakeholders. I am happy that despite the demands to conserve resources for growth, the Board has approved payment of dividend of 15%.

The pay order crisis involving pay orders issued by co-operative banks hit us in March, just when we were on our way to end a truly path breaking year. We in the Management, have spent many troubled nights wondering whether we could have done anything to avoid such incidents. We could perhaps do that only by refusing to take normal business risks. We are however now wiser and have taken appropriate risk management steps. We have also as a matter of prudence absorbed the probable loss this year. We are however, committed to recover all these dues. The response of our Customers, Shareholders, Press, our well wishers in the Industry and the Government was truly magnificent. I would be failing in my duty, if I do not acknowledge their contribution and support during those troubled times. They have kept their faith in us, intact, and were pillars of strength for us.

The Bank now has a new corporate identity. We have changed our colours to denote our march towards modernisation. The

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

हम देश व विदेश में और अधिक लोगों तक पहुंचने की योजना बना रहे हैं। थोक या खुदरा बैंकिंग, ग्रामीण बैंकिंग या विशिष्ट बैंकिंग में हम प्रमुख शक्ति बनने की आशा करते हैं। हम बैंकिंग उद्योग में सर्वोत्तम प्रतिमानों को हासिल करने हेतु प्रतिबद्ध हैं।

मैं अपने ग्राहकों, शेयरधारकों, बोर्ड सदस्यों तथा स्टाफ द्वारा दिए गए सहयोग हेतु हृदय से कृतज्ञ हूं। मेरा अनुरोध है कि आप इसी प्रकार अपना विश्वास बनाए रखें। हमें केवल एक दिशा में जाना है जो उत्कृष्टता और विकास की ओर है। मुझे विश्वास है कि एक वास्तविक प्रगतिशील अंतर्राष्ट्रीय बैंक बनाने के हमारे लक्ष्य में आप सदैव हमारे साथ रहेंगे।

(के.वि. कृष्णमूर्ति)
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

मुंबई
06 जून, 2001

Bank of India now is going to be a different bank to different people in different locations. We plan to reach out to more people both in the Country and abroad. We hope to be a major player be in wholesale banking or retail, rural banking or class banking. We are committed to reach the best standards in the Banking Industry.

I am truly grateful for all the support rendered by our customers, shareholders, Members of the Board and the staff. I beseech you to keep up your faith. We have only one way to go and that is up and ahead. I hope you will always be with us, in our mission in building a truly dynamic International Bank.

(K. V. KRISHNAMURTHY)
CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR

Mumbai
06 June, 2001

Report Junction.com

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

बैंक ऑफ़ इंडिया

प्रधान कार्यालय, 14 वां तल, एक्सप्रेस टावर्स, नरीमन पाइंट, मुंबई - 400 021.

सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बैंक ऑफ़ इंडिया के शेयर धारकों की पाँचवी वार्षिक सामान्य बैठक सोमवार दि. 16 जुलाई, 2001 को अपराह्न 2.30 बजे सर सोराब जी पोखनवाला बैंकर्स ट्रेनिंग कॉलेज आडिटोरियम, जे.वी.पी.डी. स्कीम, विले पार्ले (पश्चिम), मुंबई – 400 056 में निम्नलिखित कार्य के लिए आयोजित की जायेगी :

1. ''बैंक ऑफ़ इंडिया के 31 मार्च, 2001 के तुलना-पत्र तथा इसी तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ-हानि लेखा तथा लेखा में शामिल अवधि में बैंक की कार्यप्रणाली तथा गतिविधियो पर निदेशक मंडल की रिपोर्ट तथा तुलन पत्र एवं लेखे पर लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर चर्चा करना।''

2. निम्नलिखित संकल्प पर विचार करना और यदि योग्य पाया गया तो संशोधन के साथ या बिना संशोधित रूप में पारित करना।

   यह संकल्प किया जाता है कि बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 के प्रावधानों के अनुसार केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य सांविधिक प्राधिकारियों से परामर्श लेकर बैंक की समादत्त इक्विटी पूंजी केन्द्रीय सरकार द्वारा धारित इक्विटी पूंजी को प्रतिसंदाय करके रु. 300 करोड़ की सीमा तक या कोई अन्य रकम जिस का अनुमोदन, मंजूरी और सहमति होती है, कम करने के लिए बैंक के शेयरधारकों का अनुमोदन इसके द्वारा प्रदान किया जाता है।

   आगे यह संकल्प किया जाता है कि उपरोक्त संकल्प को कार्यान्वित करने के लिए आवश्यक और उचित सभी कार्य करने के लिए और इक्विटी पूंजी में कमी करने की विधि या रकम में कोई परिवर्तन/नों को स्वीकार करने हेतु सहमत होने के लिए बैंक ऑफ इंडिया के निदेशक बोर्ड को इसके द्वारा प्राधिकृत किया जाता है।

   संकल्प 2 के लिए स्पष्टीकरण नोट:

   आगे संकल्प किया जाता है कि निदेशक बोर्ड ने विभिन्न विकल्पों पर विचार करने के बाद निर्णय लिया कि केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य सांविधिक प्राधिकारियों द्वारा प्राप्त अनुमोदन के अनुसार रु. 300 करोड़ की सीमा तक या अन्य रकम, केन्द्रीय सरकार द्वारा धारित इक्विटी पूंजी प्रतिसंदाय कर के बैंक की समादत्त इक्विटी पूंजी कम की जाये। निदेशक बोर्ड का विचार है कि इक्विटी में कमी करने से बही मूल्य, प्रति शेयर अर्जन आदि में वृद्धि द्वारा शेयरधारक मूल्य में गण्यमान वृद्धि होगी।

   उपरोक्त अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार यह संकल्प बैठक में उपस्थित वोट देने वाले और वोट देने के पात्र शेयरधारकों के कम से कम तीन चौथाई बहुमत से पारित होना आवश्यक है। निदेशक बोर्ड उपरोक्त संकल्प पारित करने के लिए शेयरधारकों से सिफारिश करता है।

   निदेशकों में कोई व्यक्तिगत रूप में उपरोकत संकल्प में अभिरूचि नहीं रखता है या सम्बद्ध नहीं है।

के. वि. कृष्णमूर्ति

स्थान : मुंबई
दिनांक : 14.6.2001

(के.वि. कृष्णमूर्ति)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

टिप्पणियां :

1. **परोक्षी की नियुक्ति**
   बैठक में भाग लेने तथा वोट देने के हकदार शेयरधारक अपने स्थान पर भाग लेने तथा वोट देने हेतु एक परोक्षी नियुक्त कर सकते हैं. परोक्षी फार्म को प्रभावी बनाने के लिए इसे इसमें निर्धारित स्थान पर वार्षिक सामान्य बैठक के कम से कम चार दिन पूर्व अवश्य प्राप्त हो जाना चाहिए।

2. **उपस्थिति-पर्ची सह प्रवेश-पत्र**
   शेयर धारकों की सुविधा के लिए उपस्थिति-पर्ची सह प्रवेश-पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है। शेयरधारकों/परोक्षियों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे उपस्थित-पर्ची सह प्रवेश-पत्र में निर्धारित स्थान पर अपने हस्ताक्षर करें तथा उसे बैठक में सौप दें। शेयर धारक के परीक्षा/प्रतिनिधि द्वारा उपस्थित पर्ची पर ''परोक्षी'' या ''प्रतिनिधि'' जैसी भी स्थिति हो, का उल्लेख किया जाना चाहिए।

3. **लाभांश का भुगतान**
   शेयर धारकों को निदेशक बोर्ड द्वारा घोषित लाभांश का भुगतान वार्षिक सामान्य बैठक की तारीख से 6 सप्ताह के भीतर किया जाएगा।

4. **लेखा बंदी**
   शेयरहोल्डरों का रजिस्टर एवं बैंक का शेयर अंतरण रजिस्टर वार्षिक सामान्य बैठक के उद्देश्य से शुक्रवार 6 जुलाई, 2001 से सोमवार 16 जुलाई, 2001 (दोनों दिन सहित) तक बंद रहेगा।

5. **अंतरण**
   अंतरण विलेखों सहित शेयर प्रमाणपत्र रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट को पैरा 5 में लिखित पते पर भेजे जाने चाहिए.

6. **पते में परिवर्तन**
   शेयरधारकों से अनुरोध है कि यदि उनके पंजिकृत पते में कोई परिवर्तन हो तो वे इसकी सूचना बैंक के रजिस्ट्रार तथा शेयर अंतरण एजेंट को इस पते पर दें-
   मेसर्स शेयर प्रो सर्विसिज,
   यूनिट : बैंक ऑफ़ इंडिया,
   सातम इस्टेट, 3 मंजिल,
   बैंक ऑफ़ बड़ौदा के ऊपर.
   कार्डिनल ग्रेसियस रोड,
   चकाला, अंधेरी (पूर्व),
   मुंबई- 400 099.

7. शेयरधारकों/परोक्षियों/प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे वार्षिक रिपोर्ट की अपनी प्रति बैठक में अपने साथ लायें.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

BANK OF INDIA

Head Office: 14th floor, Express Towers, Nariman Point, Mumbai – 400 021.

NOTICE

NOTICE is hereby given that the Fifth Annual General Meeting of the shareholders of Bank of India will be held on Monday, the 16th july, 2001 at 2.30 p.m. at Sir Sorabji Pochkhanawala Banker's Training College Auditiorium, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (West), Mumbai – 400 056, to transact the following business:

1. "To discuss the Balance Sheet as at 31st March, 2001 and the Profit & Loss account for the year ended on that date, the Report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank for the period covered by the Accounts and the Auditor's Report on the Balance Sheet and Account."
2. To consider and if thought fit, to pass with our without modification the following resolution.

   "Resolved that, pursuant to the provisions of the Banking Companies (Acquisition and Trasnfer of Undertaking) Act, 1970, approval of the shareholders of the bank be and is hereby given to reduce the paid up equity capital of the bank by repayment of equity capital held by Central Government to the extent of Rs.300 crores or such other sum as may be approved, sanctioned and agreed upon after consultation with the Central Government, Reserve Bank of India and other statutory authorities.

   Resolved further that, the Board of Directors of Bank of India be and is hereby authorised to do all that is necessary, expedient to give effect to the aforesaid resolution and to accept, agree to any modification/s in the amount or mannner of reduction of the paid up equity capital of the bank".

   Explanatory Note for resolution No.2

   The Board of Directors of Bank of India have after weighing various options, decided to reduce the paid up equity capital of the bank by repayment of equity capital held by the Central Government to the extent of Rs. 300 crores or such other sum as may be approved by the Central Government, Reserve Bank of India and other statutory authorities. The Board of Directors are of the view, that this reduction in equity would result in effecting a substantial increase in shareholder value through enhancement of its book value, earnings per share etc.

   Pursuant to the provisions of the aforesaid act, the resolution needs to be passed with at atleast three fourth majority of the shareholders entitled to vote, present at the meeting and voting. The Board of directors recommend passing of the aforesaid resolution to the shareholders.

   None of the Directors, are individually interested or concerned in the aforesaid resolution.

Place : Mumbai
Date : 14.06.2001

(K.V. KRISHNAMURTHY)
Chairman & Managing Director

NOTES:

1. APPOINTMENT OF PROXY
   A shareholder entitled to attend and vote at the Annual General Meeting is entitled to appoint a Proxy to attend and vote instead of himself/herself. The proxy form, in order to be effective, must be received at the place specified in the proxy form not later than 4 days before the date of the Annual General Meeting.

2. ATTENDANCE SLIP CUM ENTRY PASS
   For the convenience of the shareholders, Attendance slip cum Entry Pass is annexed to this Report. Shareholders/Proxy holders/ representatives are requested to affix their signatures at the space provided therein and surrender the Attendance Slip cum Entry Pass at the venue. Proxy/Representative of a shareholder should state on Attendance slip cum Entry pass "Proxy" or "Representative" as the case may be.

3. PAYMENT OF DIVIDEND
   Payment of dividend to shareholders as declared by the Board of Directors shall be made within 6 weeks from the date of Annual General Meeting.

4. BOOK CLOSURE
   The Register of the shareholders and the Share Transfer Register of the Bank will remain closed form Friday, July 6, 2001 to Monday, July 16, 2001 (both days inclusive), for the purpose of Annual General Meeting.

5. TRANSFERS
   Share certificates along with transfer deeds should be forwarded to the Registrar and Share Transfer Agent at address given in para 6 below.

6. CHANGE OF ADDRESS
   Shareholders are required to intimate changes, if any, in their registered address, to the Registrar and Share Transfer Agent of the Bank at the following address:
   M/s. Sharepro Services.
   Unit: Bank of India
   Satam Estate, 3rd floor,
   Above Bank of Baroda,
   Cardinal Gracious Road,
   Chakala,
   Andheri (East),
   Mumbai – 400 099.

7. Shareholders/Proxy holders/ representatives are requested to bring copies of the Annual Report to the Annual General Meeting.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशकों की रिपोर्ट

दिनांक 31 मार्च 2001 को समाप्त वर्ष के लिए बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के साथ खातों का विवरण प्रस्तुत करते हुए निदेशकों को प्रसन्नता हो रही है।

बैंक के कारोबार की समीक्षा

लाभप्रदता

वर्ष 2000-01 के दौरान बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 1102.14 करोड़ हो गया, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 61.37% की वृद्धि हुई है। बैंक का शुद्ध लाभ, समी विवेकपूर्ण प्रावधानों के पश्चात, पिछले वर्ष के रु. 172.81 करोड से बढ़कर रु. 251.87 करोड़ हो गया है। बैंक द्वारा कार्यान्वित स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के अंतर्गत किए गए असाधारण खर्चे रु. 330.13 करोड़ के समाविष्ट करने के पश्चात यह लाभ हुआ है। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना के खर्चों को हिसाब में लेने के पश्चात, परिचालन/शुद्ध लाभ में वृद्धि क्रमश: 13.04% और 45.75% होता है।

DIRECTORS' REPORT

The Directors have pleasure in presenting the Annual Report of the Bank along with the Statement of Accounts of the Bank for the year ended March 31, 2001.

REVIEW OF THE BANK'S OPERATIONS

Profitability

Operating profit of the Bank during 2000-01 increased to Rs.1102.14 crore, an increase of 61.37% over last year. Net profit of the Bank increased to Rs.251.87 crore from Rs. 172.81 crore previous year after making all prudential provisions. These profits are after absorbing extra-ordinary expenses of Rs.330.13 crore on account of Voluntary Retirement Scheme implemented by the Bank. After taking into account extra-ordinary VRS expenses, growth in operating/net profit works out to 13.04% and 45.75% respectively.

(रुपये करोड़ में) **(Rupeees in crore)**

			1999-2000	2000-01	% Growth
1. कुल ब्याज आय	1	Total Interest Income	4736.98	5316.86	12.24
अग्रिमों से ब्याज आय		Interest Income from Advances	2787.51	3128.74	12.24
निवेशों से ब्याज आय		Interest Income from Investments	1672.67	1805.66	7.95
मुद्रा बाजार परिचालनों से ब्याज		Interest on Money Market Operations	205.47	324.98	58.16
नकदी आरक्षित अनुपात पर ब्याज		Interest on CRR	71.33	57.48	-19.42
2. व्यय किया गया कुल ब्याज	2	Total Interest Expended	3443.14	3663.03	6.39
जमाराशियों पर ब्याज		Interest Expended on Deposits	3062.18	3216.37	5.04
व्यय किया गया अन्य ब्याज		Other Interest Expended	380.96	446.66	17.25
3. शुद्ध ब्याज अर्जित (1-2)	3	Net Interest Margin (1-2)	1293.84	1653.83	27.82
4. अन्य आय	4	Other Income	785.54	861.91	9.72
5. परिचालन गत व्यय	5	Operating Expenses	1396.40	1413.60	1.23
स्टाफ लागत		Staff Cost	999.12	1008.69	0.96
अन्य परिचालन लागत		Other Operating Costs	397.28	404.91	1.92
6. परिचालन गत लाभ (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना को छोड़कर)	6	Operating Profit (Excluding VRS)	682.98	1102.14	61.37
असाधारण स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना लागत		Extra Ordinary - VRS Cost	0.00	330.13	
7. परिचालन गत लाभ (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना को मिलाकर)	7	Operating Profit (Including VRS)	682.98	772.01	13.04
8. प्रावधान एवं आकस्मिकताएं	8	Provisions & Contingencies	510.17	520.14	1.95
9. शुद्ध लाभ (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना की लागत छोड़कर)	9	Net Profit (Excl. VRS Cost)	172.81	582.00	236.79
10. शुद्ध लाभ (स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना की लागत शामिल करके)	10	Net Profit (Incl. VRS Cost)	172.81	251.87	45.75

(प्रतिशतता) **(Percentages)**

		1999-2000	2000-01	
			Exd. VRS	Incd. VRS
अग्रिमों पर लाभ	Yield on Advances	10.93	10.62	10.62
निवेशो पर लाभ	Yield on Investments	10.47	10.34	10.34
निधियों पर लाभ	Yield on Funds	8.58	9.13	9.13
जमाराशियों की लागत	Cost of Deposits	6.64	6.47	6.47
निधियों की लागत	Cost of Funds	6.24	6.29	6.29
स्प्रैड	Spread	2.34	2.84	2.84
औसत कार्यशील निधियों में अन्य आय	Other Income to AWF	1.42	1.48	1.48
औसत कार्यशील निधियों में परिचालन लागत	Operating Costs to AWF	2.53	2.42	2.99
औसत कार्यशील निधियों में स्टाफ लागत	Staff Cost to AWF	1.81	1.73	2.30
औसत कार्यशील निधियों में अन्य परिचालन लागत	Other Operating Costs to AWF	0.72	0.69	0.70
आस्ति उपयोग औसत	Asset Utilisation Ratio	1.24	1.89	1.32
आस्तियों पर लाभ	Return on Assets	0.31	1.00	0.44
प्रतिशेयर का बही मूल्य (रु)	Book Value per Share (Rs.)	35.98	40.64	40.64
प्रतिशेयर आय (रु)	Earnings Per Share (Rs.)	2.71	9.12	3.95

AWF is Average Working Funds

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

लाभांश

निदेशक बोर्ड ने वर्ष 2000-01 के लिए 15% लाभांश की घोषणा की है।

पूंजी पर्याप्तता

बैंक की पूंजी पर्याप्तता मार्च 2000 की समाप्ति पर 10.57% की तुलना में मार्च 2001 की समाप्ति पर 12.23% हो गई। मार्च 2001 की समाप्ति पर टायर - I पूंजी रु. 2303.72 करोड़ थी। टायर-I के अंतर्गत सीआरएआर 7.62% था और टायर-II के अंतर्गत सीआरएआर 4.61 था। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान बैंक ने रु. 200 करोड़ टायर-II के अंतर्गत गौण ऋण के रुप में लिए है। कारोबार रु. 3928 करोड़ से बढ़ जाने और अग्रिमों में रु. 5514 करोड़ की शुद्ध वृद्धि के बावजूद जोखिम भारित आस्तियां रु. 30244 करोड़ थी जो पिछले वर्ष रु. 30435 करोड़ की तुलना में कम थी।

जमाराशियां

जमाराशियों में वृद्धि का विवरण निम्नानुसार है

(राशि करोड़ रुपयों में)

(मार्च समाप्ति)	(March-end)	2000	2001	% Increase
कुल जमाराशियां	Total Deposits	47744	51678	8.24
भारतीय जमाराशियां	Indian Deposits	38526	42882	11.31
विदेशी जमाराशियां	Foreign Deposits	9218	8796	-4.58

बैंक के स्वदेशी परिचालनों की कुल रु. 6972 करोड़ की जमाराशियों में अनिवासी जमाराशियां 16.69% थीं। भारतीय शाखाओं के कुल जमाराशियो में 30% ग्रामीण और अर्द्धशहरी शाखाओं की जमाराशियां थी। कम लागत की जमाराशियों को बढ़ाने के लिए गए सतत प्रयासों के बावजूद, कम लागत की जमाराशियां पिछले वर्ष की तरह लगभग 33% ही रही।

अग्रिम

शुद्ध आधार पर ऋण विस्तार का कार्यान्वयन निम्नानुसार है

(रुपये करोड़ में)

(मार्च समाप्ति)	(March-end)	2000	2001	% Increase
विश्वभर में अग्रिम	Global Advances	26309	31823	20.95
भारतीय अग्रिम	Indian Advances	20164	23659	17.33
विदेशी अग्रिम	Foreign Advances	6145	8164	32.85

नोट: पिछले वर्ष के अग्रिमों को पुन: ठीक किया गया है जिसमें स्टाफ अग्रिम शामिल है.

Note: Advances for the previous year have been reworked including advances to staff.

जोखिम प्रबंधन हेतु बैंक की समग्र नीति के अनुरुप कंपनी ऋण का अभिनियोजन सुनिश्चित करने हेतु ऋण मूल्यांकन प्रणाली को इसका जोखिम प्रबंधन प्रणालियों तथा बाजार सूचना प्रणालियों के साथ एकीकरण कर और सुदृढ बनाया गया। वर्ष के दौरान कुल ऋण प्रस्तावों में प्राइम/एएए/एए श्रेणीकृत खातों का प्रतिशत जो मार्च 2000 में 39.5% था मार्च 2001 में बढ़कर 52.9% हो गया।

ऋण प्रबंधन साफटवेयर, जो ऋण प्रस्तावों के बेहतर विश्लेषण तथा सुधरे मूल्यांकन में सुविधा हेतु तैयार किया गया था, को वर्ष के दौरान अंतिम रुप दिया गया और

Dividend

The Board of Directors had declared a dividend of 15% for 2000-01.

Capital Adequacy

Capital adequacy of the Bank as at March-end 2001 stood at 12.23 % compared to 10.57% at March-end 2000. At March-end 2001, Tier I capital stood at Rs.2303.72 crore giving a CRAR of 7.62% under Tier I and Tier II capital stood at Rs.1394.60 crore giving a CRAR of 4.61% on Tier II capital. During the year under report, the Bank raised Rs. 200 crore through Tier II subordinated debt. Despite increase in size of the balance sheet by Rs.3928 crore and increase in net advances by Rs. 5514 crore, the risk weighted assets were contained at Rs.30244 crore as against Rs.30435 crore in the previous year.

Deposits

Details of deposit growth are given below.

(Amount Rs in Crore)

Non-Resident deposits constituted 16.69% of the aggregate deposits at Rs 6,972 crore in the Bank's domestic operations. Deposits of rural and semi-urban branches accounted for 30 % of the aggregate deposits of branches in India. Despite concerted efforts made to increase the share of low cost deposits, the share of low cost deposits to total deposits has remained at around 33% as in the previous year.

Advances

Details of performance in credit expansion, on net basis, are given below.

(Amount Rs in Crore)

The Credit appraisal system was further strengthened by its integration with risk management systems and market information systems to ensure deployment of corporate credit in tune with the Bank's overall strategy for risk management. During the year, share of Prime/ AAA/ AA rated accounts in total credit proposals increased from 39.5% in March 2000 to 52.9% in March 2001.

The "Credit Management System" software that was being developed for facilitating better analysis and improved appraisal

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

इसका जांच परीक्षण पूरा कर लिया गया। साफ्टवेयर का उपयोग बहुत जल्दी शुरु किया जाएगा।

अग्रिमों पर एक व्यापक डेटाबेस तैयार करने के लिए विस्तृत ऋण सूचना प्रणाली हेतु साफ्टवेयर में आमूल चूल परिवर्तन किया गया है जो निर्णय लेने की प्रक्रिया को सुधारने हेतु तिमाही आंकड़े उपलब्ध कराएगा। नयी प्रणाली सितंबर 2001 से लागू की जाएगी एवं ऋण संबंधी करीब 40 विवरणियों को समाप्त कर शाखाओं के कार्य बोझ को कम करेगी।

ऋण जमा अनुपात

बैंक का स्वेदशी ऋण-कुल जमा अनुपात 59.38% रहा जो बैंकिंग प्रणाली के अनुपात से अधिक स्तर पर जारी रहा जो मार्च, 2001 की समाप्ति पर 53.39% था।

of credit proposals and efficient monitoring of accounts, was finalised during the year and the test-checking was completed. The software would be made operational very shortly.

In order to create a comprehensive database on advances, software for Comprehensive Credit Information System has been totally revamped, which will provide quarterly data to improve the decision making process. The new system will be implemented from September 2001 and will reduce the workload of branches by way of abolishing of around 40 credit related statements.

Credit- Deposit Ratio

The Bank's domestic credit – aggregate deposit ratio at 59.38% continues to be higher than that of the banking system, which stood at 53.39% at March-end 2001.

(मार्च समाप्ति) %	(March-end) %	2000	2001
ऋण-जमा अनुपात (वैश्विक)	Credit-Deposit Ratio (Global)	52.85	61.58
स्वदेशी ऋण - कुल जमा अनुपात	Domestic Credit-Aggregate Deposit Ratio	56.52	59.38
स्वदेशी ऋण + गैर एसएलआर निवेश - कुल जमा अनुपात	Domestic Credit+Non-SLR Investments-Aggregate Deposits Ratio	62.30	64.41

निवेश

वर्ष के दौरान वैश्विक निवेश रु. 1559 करोड़ से बढ़कर मार्च 2001 के आखिर में रु. 18225 करोड़ हो गया। स्वदेशी निवेश रु. 1260 करोड़ बढ़कर रु. 15110 करोड़ हो गया। एसएलआर निवेशों की राशि रु. 11.148 करोड़ (कुल का 73.78%) एवं गैर-एसएलआर निवेशों की राशि रु. 3962 करोड़ (कुल का 26.22%) रही। वर्ष के दौरान बैंक का एसएलआर पोर्टफोलियों 13.21% बढ़ गया है एवं गैर-एसएलआर पोर्टफोलियों में निवेश 1.01% कम हुआ है। जबकि एसएलआर पोर्टफोलियो मुख्यत: विनियामक तथा सौदा कार्यकलाप करने हेतु वांछित कोष तैयार करने की अपेक्षाओं से निर्देशित होता है, गैर-एसएलआर निवेशों को हासिल करने हेतु मुख्य आधार निधियों की सुरक्षा के अतिरिक्त प्रभावी आय एंव तरलता है। अक्टूबर 2000 के भारतीय रिज़र्व बैंक दिशानिर्देशों के अनुसार बैंक के निवेश पोर्टफोलियो को तीन वर्गों में बांटा गया है (1) परिपक्वता तक रखे गए (2) बिक्री हेतु उपलब्ध (3) सौदा हेतु रखे गए। "परिपक्वता तक रखे गए" प्रवर्ग अंतर्गत भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अनुमत अधिकतम 25% जिसे बाजार पर अंकित होना आवश्यक नहीं है, के समक्ष बैंक ने इस वर्ष में केवल 21.63% प्रतिभूतियों को रखा है. 31.3.2000 के अनुसार रखे गए प्रावधानों के उपर वर्ष के दौरान निवेशों हेतु रु. 65 करोड़ का अतिरिक्त प्रावधान किया गया है।

ब्याज दरों में शुरुआती बढ़त के बाद नरमी आयी है एवं सरकारी प्रतिभूतियों पर 31.03.2001 के अनुसार 10 वर्षीय आय 31.03.2000 को दर्ज 10.85% से घटकर 10.34% हो गई। बाजार प्रवृत्तियों के अनुरुप वर्ष के दौरान बैंक के निवेशों पर आय भी 1999-2000 में 11.07% से घटकर 2000-01 में 10.68% हो गई। बैंक के पास रु. 1846 करोड़ की विशेष प्रतिभूतियाँ पूर्व में पुनर्पूंजीकरण के माध्यम से हैं जिस को छोड़कर वर्ष 2000-01 में अन्य निवेशों पर आय 10.86% बनती है। बोर्ड द्वारा अनुमोदित जोखिम प्रबंधन केंद्रित व्यापक नीति के अनुरुप निवेश किए जाते है। बाजार परिवर्तनों का सामना करने हेतु नीति तथा पोर्टफोलियों की आवधिक समीक्षा की जाती है।

Investments

Global investments increased during the year by Rs 1559 crore to Rs 18225 crore at March-end 2001. Domestic investments increased by Rs 1,260 crore to Rs 15,110 crore. SLR investments amounted to Rs 11,148 crore (73.78 % of total) and non-SLR investments to Rs 3962 crore (26.22 % of total). During the year, the Bank's SLR portfolio has grown by 13.21% and investments in non-SLR portfolio reduced by 1.01%. While SLR portfolio is mainly guided by the regulatory requirements and also to build up corpus required for undertaking trading activity, the main considerations in acquiring Non-SLR investments, apart from safety of funds, are the effective yield and liquidity. In terms of revised RBI guidelines of October 2000, the investment portfolio of the Bank has been classified into three categories, (1) Held to maturity, (2) Available for sale and (3) Held for trading. As against maximum of 25 % allowed by the RBI under "Held to maturity" category, which need not be marked to market, the Bank has categorised only 21.63 % securities in this category. Additional provision of Rs 65 crore for investments have been made during the year over the provision held as at 31.03.2000.

The interest rates, after initially rising, have softened during the year and the 10-year yield on G-sec as on 31.03.2001, declined to 10.34% as against 10.85 % recorded as on 31.03.2000. In tune with the market trend, the yield on the Bank's investments has also come down during the year to 10.68 % in 2000-01 from 11.07% in 1999-2000. The Bank holds Special Securities of Rs. 1846 crore by way of recapitalisation in the past, excluding which, the yield on other investments works out to 10.86% in 2000-01. Investments are made in accordance with the Comprehensive Policy approved by the Board, which focuses on risk management. The policy and the portfolio is reviewed periodically to respond to market developments.

www.reportjunction.com